528879

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षा

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त
भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय Biology

परीक्षा का दिन Saturday

दिनांक 16-04-22

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	9	19	3½
2	4	20	4
3	8	21	
4	1½	22	
5	1½	23	
6	1½	24	
7	1½	25	
8	1½	26	
9	1½	27	
10	1½	28	
11	1½	29	
12	1½	30	
13	1½	31	
14	1½	योग	55½
15	1½	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	56	छप्पन
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक 37741

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।168/2021

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

(1)

(i) (ब) 23

(ii) ~~(द) सूरजमुखी~~ (अ) चुकंदर

(iii) (द) टर्नर सिंड्रोम

(iv) (ब) एडेनीन

(v) (स) फाइलेरिआई कृमि

(vi) (द) ~~पूर्णशक्त~~ पूर्णशक्तता

(vii) (द) टाइफॉइड

(viii) (अ) उत्पादक

(ix) (द) I-AC एवं II-Ab

9

(2)

(i) एक ही नस्ल के पशुओं के मध्य जब प्रजनन होता है, तो वह अन्तः प्रजनन कहलाता है।

(ii) बीटी जीवविष बेसिलस थुरेन्जिनेसिस जीवाणु से (Bt) निर्मित होता है।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) यदि एक वंशागत उत्परिवर्तन जनसंख्या में उच्च आवृत्ति में मिलता है, तो इसे डीएनए क्लोनिंग कहते हैं।

(iv) एक जाति के विलुप्त होने पर उस पर आधारित दूसरे जंतु व पादप जातियाँ भी अनिवार्य रूप से विलुप्त होने लगती हैं, कहलाता है सहविलुप्तता।

4

(3)

(i) जैव प्रौद्योगिकी :-

जीव विज्ञान की वह शाखा जिसमें जीवों की संरचना, उनकी कोशिका, अंगों, आण्विक प्रतिरूपों के समायोजन तथा प्राकृतिक विज्ञान का अध्ययन किया जाता है।

(ii) माता से I^A एलील व पिता से एलील प्राप्त करने वाली संतति का रुधिर वर्ग 'A' होगा।

(iii) बायोपाइरेसी :-

किसी राष्ट्र की सम्पदा। सम्पत्ति या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खोजी गई वस्तु

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

को चुराना या बिना आज्ञा के उपयोग करना बायोपाइरेसी कहलाती है।

(iv) वर्णांधता में व्यक्ति आँख की कॉर्निया का वर्ण संवेदी रज्जुक प्रभावित होने के कारण लाल व हरे रंग में विभेद नहीं कर पाते।

(v) सहज प्रतिरक्षा :-

वह प्रतिरक्षा जो हमें जन्म से अपने माता पिता से प्राप्त होती है, सहज प्रतिरक्षा कहलाती है।

→ ये वंशानुगत होती है।

(vi) आनुवांशिकतः रूपांतरित जीव :-

जब किसी जीव की जीनी संरचना को उसके अंदर बाहर का कोई अन्य जीन जोड़कर परिवर्तित कर दिया जाता है, तो इस प्रकार के जीव आनुवांशिक रूपांतरित जीव कहलाते हैं।

eg.- गेंहू की हिसरडेल नस्ल

(vii) समुद्र में जैव मात्रा (भार) का पिरैमिड हमेशा उल्टा प्राप्त होता है।

→ क्योंकि इसमें सर्वोच्च उपभोक्ता का भार सर्वाधिक होता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(viii) बाह्य स्थाने संरक्षण :-

जब किसी जीव को उसके प्राकृतिक आवास से बाहर ले जाकर संरक्षित किया जाता है, तो इसे बाह्य स्थाने संरक्षण कहते हैं।

उदाहरण - चिड़ियाघर

1

8

खण्ड - ब

4. तीन गर्भनिरोधक साधनों के नाम :-

(a) अन्तः गर्भाशय युक्ति

(b) गर्भ निरोधक गोलियां (IUD)

सहेली

(c) eg- ~~प्लाज्मा क्रिया~~ रोध / रोधक

eg. कण्डोम

1½

5. जीन गन :-

यह एक ऐसी युक्ति है जिससे सोने या टंगस्टन के कणों को DNA से आ वेग के साथ परपोषी कोशिका ~~में~~ ~~DNA~~ से जोड़ दिया जाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उपयोग -

→ इसके द्वारा संकर का निर्माण होता है।
→ इसके द्वारा प्रतिरोधी DNA गुण वाले जीन को परपोषी में जोड़कर रोग प्रतिरोधक गुणों वाले पादप तैयार किए जाते हैं।

1½

(6) मधुमक्खी पालन के 3 महत्वपूर्ण बिंदु :-

(a) मधुमक्खी पालन से मधुमोम व शहद प्राप्त होता है जो औषधीय महत्व का होता है।

1½

(b) मधुमक्खियों को वृन्दन के समय पकड़ा जाता है।

(c) मधुमक्खियों को सरसों जैसी फसलों के पास पालना, व्यवसायिक दृष्टि से अच्छा होता है क्योंकि इससे फसल को भी फायदा होता है तथा शहद भी अधिक प्राप्त होता है।

(7) पशुप्रजनन :-

पशुओं की आनुवांशिकी में ऐसे सुधारों का अध्ययन करना जो मानव के हित में हो, पशुप्रजनन कहलाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उद्देश्य :-

(i) इसकी सहायता से पशुओं की आनुवांशिकी में परिवर्तन करके उत्कृष्ट गुणों वाले पशु बनाए जा सकते है।

(ii) इसकी सहायता से पशुओं से प्राप्त उत्पाद जैसे - दूध, दही आदि की गुणवत्ता व मात्रा में भी वृद्धि की जा सकती है।

(8) जनसंख्या वृद्धि विस्फोट का कारण :-

इसका मुख्य कारण यह है कि जब से चिकित्सकीय सुविधाओं की वृद्धि हुई है। तब से मातृ मृत्युदर, शिशु मृत्युदर व सामान्य मृत्युदर घट गई है। जिससे जनसंख्या में वृद्धि हुई है।

→ लोगों में कम जागरूकता व अधिक वृद्धि दर के कारण भी जनसंख्या वृद्धि हुई है।

→ कम उम्र में ही विवाह भी इसका अन्य कारण है।

(9) सर्वांहक में क्लोनिंग करने हेतु उसमें निम्न विशेषता होनी चाहिए -

(i) प्रतिकृतियन का उद्भव

(ii) वरणमोमय चिन्हक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वरणयोग्य चिन्हक :-

सवाहक में क्लोनिंग करने हेतु उसमें प्रकृतियन के उद्गम के साथ- साथ वरणयोग्य चिन्हक का होना भी आवश्यक है।

→ ये अरूपान्तरजों की पहचान कम ~~समय~~ संख्या को कम करते हैं।

→ साथ ही रूपान्तरजों की संख्या में वृद्धि करते हैं।

→ DNA विलगन व पृथक्करण में भी इनका उपयोग किया जाता है।

(10) चिकित्सा में जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग -

जीन थेरेपी -

चिकित्सा के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी की सहायता से जीन थेरेपी की जाती है। जो इस रोगों के उपचार में सहायक है।
प्रथम बार इसका उपयोग 1990 में एक बालिका पर एडीए के उपचार के लिए किया गया था।
जीन थेरेपी में व्यक्ति के लसिका को बाहर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

निकालकर उसे संवर्द्धित किया जाता है तथा उसमे जीन जोड़कर उसे वापस शरीर में डाल दिया जाता है। परंतु ये कोशिकाएँ प्रायः मृतप्राय: होती है।

1½

→ इसके स्थाई उपचार के लिए ~~अस्थि~~ अस्थि मज्जा से अच्छे जीन ~~का~~, प्रारम्भिक भ्रूणीय कोशिका द्वारा उत्पन्न अंडाणु से जोड़ा जाता है। यह एक स्थाई उपचार है।

(11) लाभ -

1½

(a) इसकी सहायता से पौधों में किसी विशिष्ट रोगाणु के प्रति प्रतिरोधकता उत्पन्न की जा सकती है।

(b) इसके द्वारा उत्पन्न पौधे कम समय में ही उग जाते है। अर्थात इसकी सहायता से पौधों की वृद्धि तेज की जा सकती है।

आनुवांशिकत: रूपांतरित पौधे का उदाहरण -

→ Bt - cotton से (इसमे Ti प्लाज्मिड की सहायता जीन जोड़ा जाता है जो मुकुल कृमि के प्रति प्रतिरोधक है)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(12) जैव विविधता की क्षति का कारण :-

बाह्य जातियों का आक्रमण :-

1½

कोई भी जाति अपने क्षेत्र में सन्तुलित होती है। परंतु यदि इसे अपने आवास से निकालकर किसी अन्य आवास में उगाया जाए तो वह उस वातावरण के प्रति तीव्रता से अनुकूलित हो जाती है तथा वहाँ की मूल जातियों को हानि पहुँचाती है :-

eg -

(i) जलकुम्भी -
यह ब्राजिया के बाहर से लाई गई एक खरपतवार है, जिसकी वजह से भारत व चीन के जलाशयों में अत्यधिक हानि हुई है।

(ii) नाइल पर्च :-
यह नील नदी की मछली है, जिसे दक्षिण अफ्रिका की नदियों में डाला गया परंतु इस परभक्षी मछली ने वहाँ की सिचलिड मछलियों की 200 से अधिक प्रजातियों को खत्म कर दिया व जलाशयों की जैवविविधता को समाप्त कर रही है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(13) ऊर्जा पिरैमिड सदैव खड़ी अवस्था में होता है। क्योंकि ऊर्जा के प्रथम स्तर पर ऊर्जा का मान सर्वाधिक होता है। परंतु जैसे ही ऊर्जा अगले स्तर में स्थानांतरित होती है तो 90% ऊर्जा का ह्रास हो जाता है, केवल 10% ऊर्जा ही शेष रहती है। इस प्रकार जैसे-जैसे ऊर्जा आगे स्थानांतरित होती जाती है, ऊर्जा का ह्रास होता जाता है। अतः प्रथम पद में ऊर्जा का मान सर्वाधिक होता है।

eg.- अगर किसी चक्र के प्रथम स्तर में ऊर्जा का मान 1000 J है तो अगले स्तर में इसका मान 100 J व इससे अगले स्तर में ऊर्जा का मान केवल 10 J रह जाता है।

15

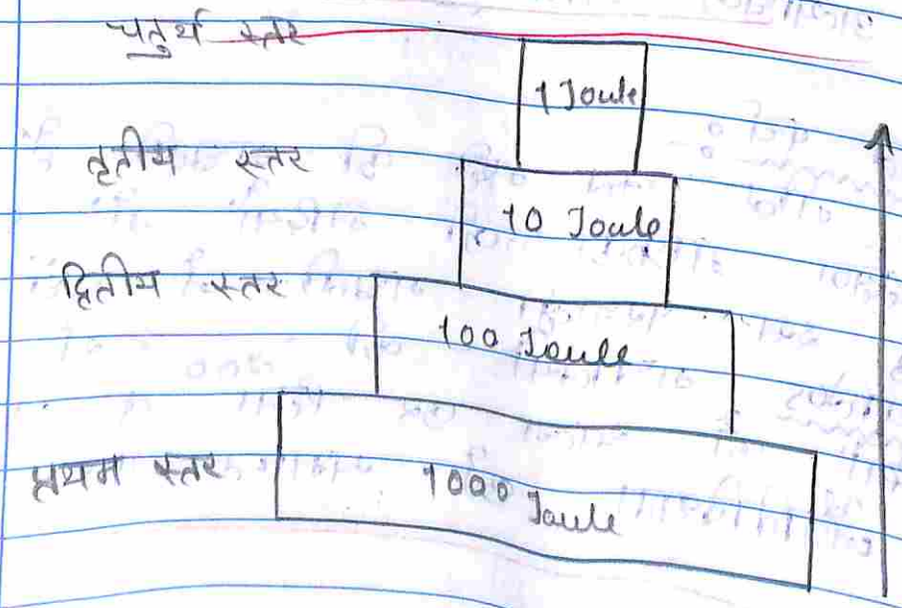

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(14) पारजीवी जंतु की जैविक उत्पाद में भूमिका :-

पारजीवी जंतु से जैविक उत्पाद बहुत अधिक मात्रा में प्राप्त किए जा सकते है। जीवाणु से टन प्रोटिन प्राप्त होती है। वहीं एक 15 कई किलोग्राम की गाय से केवल 25 gm. प्रोटीन उत्पादित होता है।

1½

→ पारजीवी जंतु द्वारा तैयार जैविक उत्पाद सस्ते, आसानी से ~~उपलब्ध~~ उपलब्ध होने वाले व गुणवत्ता में अच्छे होते है।

(15) जातिय क्षेत्र सम्बन्ध :-

→ जातिय क्षेत्र सम्बन्ध की अवधारणा अलकजेंडर वॉन हेम्बोल्ट द्वारा प्रस्तुत की गई।

→ उन्होंने दक्षिण अफ्रिका के जंगलों में कार्य करते हुए पाया कि जैसे-जैसे किसी अनवेशष क्षेत्र की सीमा बढ़ाते है उसकी जातीय समृद्धि भी बढ़ती जाती है।

सूत्र

$$\log S = \log C + z \log A$$

→ जातिय समृद्धि व अन्वेषण क्षेत्र के मध्य भायताकार अतिपरवलय प्राप्त होती है।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

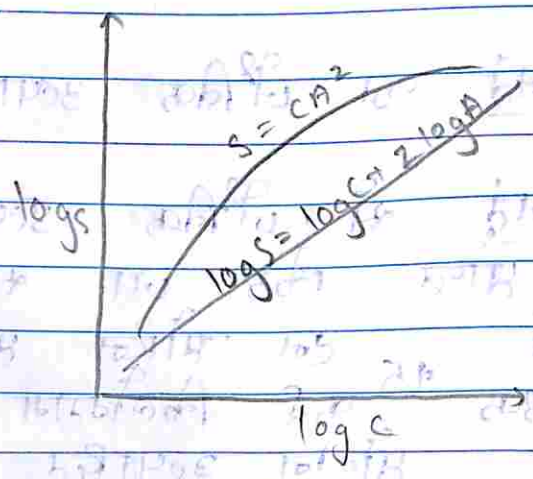

15 किसी छोटे क्षेत्र के लिए इसका मान 0.1 से 0.2 बड़े क्षेत्र के लिए 0.6 होता है।

खण्ड - स

16 लैंगिक जनन -

ऐसा जनन जिसमें दो जनक भाग लेते हैं तथा युग्मकों का निर्माण भी होता है एवं सत्यंग भी, इस प्रकार के जनन को लैंगिक जनन कहते हैं।

→ इसके द्वारा जीवों में विभिन्नताएँ होती है
→ इससे उत्पन्न संतति का निर्माण अर्द्धसूत्री विभाजन के द्वारा होता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ऋतुस्राव चक्र :-

इसे रज स्राव / रक्तस्राव चक्र / माहवारी भी कहा जाता है।

→ यह चक्र प्राइमेट गण के जीवों (मादाओं) में पाया जाता है।

eg.- मनुष्य, बंदर।

→ मादा में प्रथम बार जब 12-16 वर्ष की आयु में यह प्रारम्भ होता है तो इसे रजोदर्शन काल कहते है।

→ 45-50 वर्ष की आयु में यह स्थाई रूप से बंद हो जाता है, इसे रजोनिवृत्ति काल कहते है।

→ इसमें मादा के गर्भाशय की एण्डोमेट्रीयम परत रक्त एवं श्लेष्मा के रूप में योनि मार्ग द्वारा बाहर स्त्रावित होती रहती है।

→ यह क्रिया नियमित रूप से प्रत्येक 28 वें दिन होती है।

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(17) परीक्षण संकरण -

जब F_1 पीढ़ी का संकरण अप्रभावी मादा जनक के साथ करवाया जाता है, तो इसे परीक्षण संकरण कहते है।

tt → अप्रभावी मादा जनक
Tt → F_1 पीढ़ी -

जनक

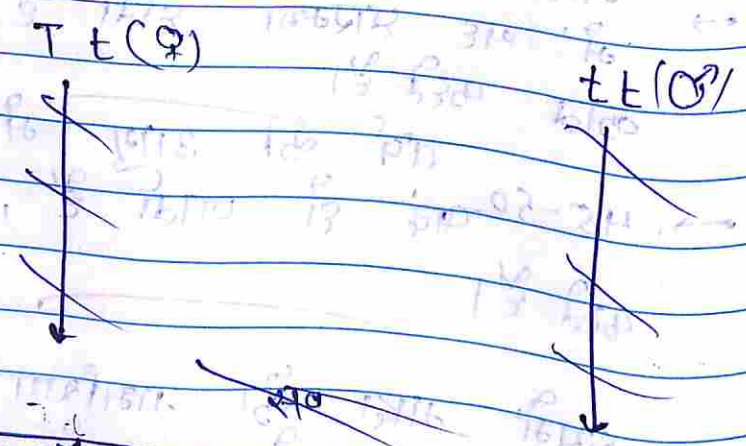

संकरण -

♀ \ ♂	t	t
T	Tt	Tt
t	tt	tt

लक्षण प्रारूप अनुपात ⇒ 2Tt : 2 tt
→ 50% : 50%
→ 1 : 1

जीन प्रारूप अनुपात → 2 अशुद्ध लम्बे : 2 शुद्ध बौने
1 : 1

(3)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(18) सक्रिय एवं निष्क्रिय प्रतिरक्षण में अंतर :-

	सक्रिय प्रतिरक्षण	निष्क्रिय प्रतिरक्षण
(i)	इसमें व्यक्ति की कोशिका स्वयं कार्य करके प्रतिरक्षा उत्पन्न करती है।	→ इसमें व्यक्ति की कोशिका कार्य नहीं करते, इसमें पहले से तैयार प्रतिरक्षा व्यक्ति के शरीर में डाले जाते हैं।
(ii)	यह भावी संक्रमण से बचाव के लिए होता है।	→ यह आपातकालीन स्थिति में लगाया जाता है
(iii)	यह धीमी गति से कार्य करता है।	→ यह तीव्र गति से कार्य करता है।
(iv)	eg.- पोलियो का टिका	eg.- रेबीज का टीका, डिफ्थीरिया का टीका

2

SECTION - D

(19) निषेचन पश्च घटना :-

निषेचन की क्रिया के पश्चात् सम्पन्न होने वाली सभी घटनाओं को सम्मिलित रूप से निषेचन पश्च घटनाएँ कहते हैं।

यह दो होती हैं। -

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i) भ्रूणमंजर
(ii) भ्रूणोद्भवन

पादप भ्रूणपोष की संरचना :-

पादप भ्रूणपोष का ~~निर्माण~~ निर्माण प्राथमिक भ्रूणपोष केन्द्रक द्वारा त्रिकसंलयन की क्रिया द्वारा होता (PEN) है।

→ यह एक त्रिगुणित (3n) संरचना होती है। जो विकसित होते हुए भ्रूण को पोषण प्रदान करने का कार्य करती है।

→ आवृतबीजी पादपों में इसका निर्माण निषेचन के पश्चात होता है अतः यह त्रिगुणित होता है।

→ परंतु अनावृतबीजी पादपों में इसका निर्माण निषेचन से पहले ही हो जाता है यह इनमें यह अगुणित (n) प्रकृति का होता है।

भ्रूणपोष 3 प्रकार का होता है-

(a) केन्द्रकीय भ्रूणपोष
(b) कोशिकीय भ्रूणपोष
(c) हेलोबियल / मध्य मध्यवर्ती भ्रूणपोष

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

द्विबीजपत्री पादपों में भ्रूण की संरचना का नामांकित चित्र :-

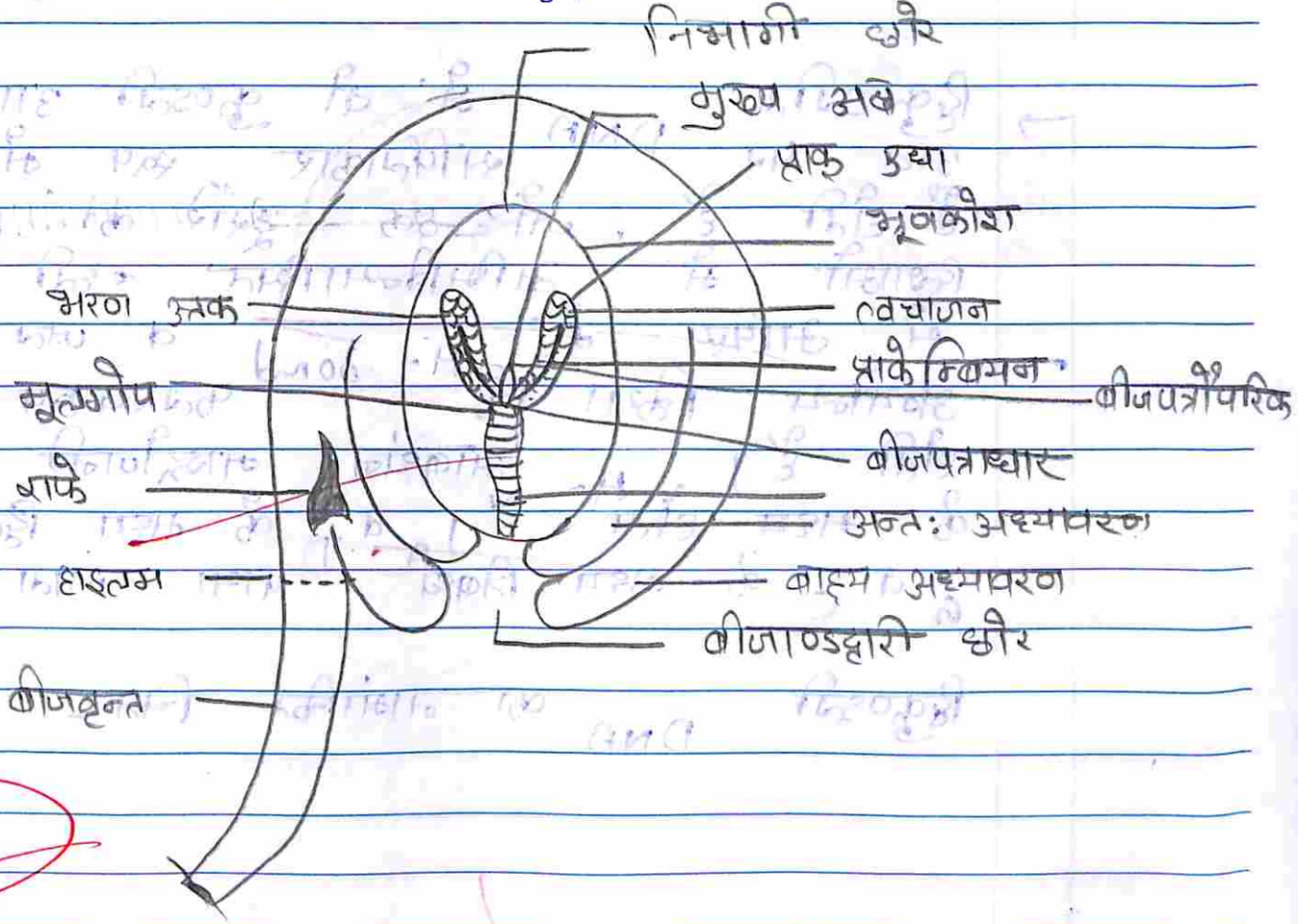

3

(20) न्यूक्लियोटाइड के घटक :-

न्यूक्लियोटाइड तीन (3) घटकों के समायोजन से बनता है।

(i) नाइट्रोजनी क्षारक
(ii) 5-C की पेन्टोज शर्करा
(iii) फास्फोरिक अम्ल (H_3PO_4)

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

द्विकुण्डली DNA की संरचना की एक प्रमुख विशेषता :-

→ द्विकुण्डलीत DNA में दो कुण्डली आपस में अक्ष पर सर्पिलाकार रूप में कुण्डलित होती है, जो एक - दूसरे की प्रतिसमांतर दिशाओं में अभिविन्यासित रहती है।

→ ये आपस में H- bond व जल विरोधी अन्योन्य क्रिया के फलस्वरूप जुड़ी होती है। H- आबंधन नाइट्रोजनी क्षारकों के मध्य होता है। A व T के मध्य द्विबंध व G व C के मध्य त्रिबंध पाया जाता है।

द्विकुण्डली DNA का नामांकित चित्र -

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

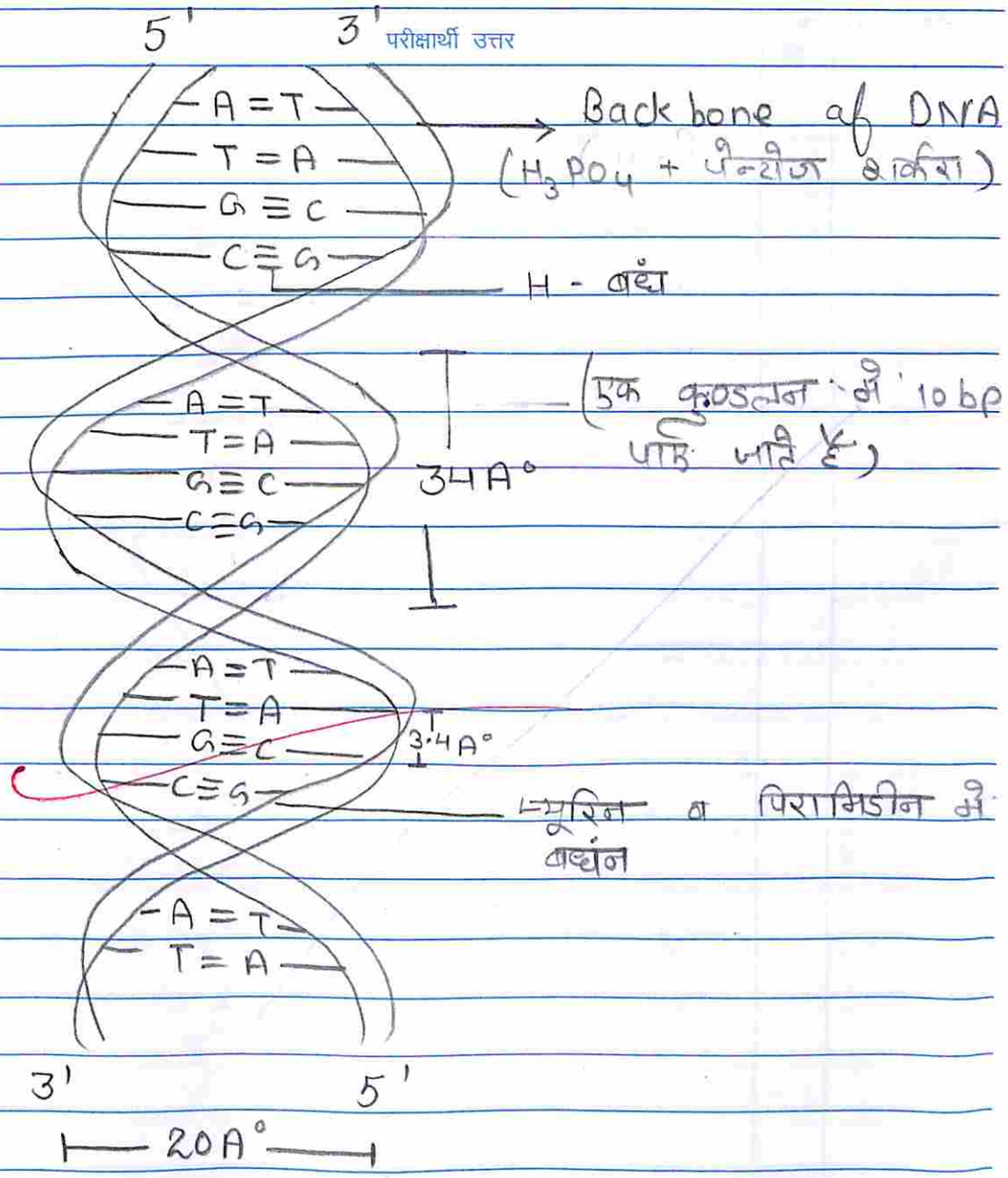

4

— समाप्त —

कुल प्राप्तांक = 55½

Round off = 56

(दृष्टान)

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021